vinetur

2026 में अमेरिकी जौ उत्पादन 19% घटकर 116 मिलियन बुशल रह गया

USDA ने कहा कि यह गिरावट प्रमुख छोटे अनाजों में सबसे तीव्र थी, जिससे माल्ट जौ की आपूर्ति और कड़ी होने का जोखिम बढ़ गया।

शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026



अमेरिकी जौ उत्पादन 2026 में तेज़ी से घटा, और 30 सितंबर को अमेरिकी कृषि विभाग (U.S. Department of Agriculture) द्वारा जारी Small Grains Summary के मुताबिक यह एक साल पहले की तुलना में 19% गिरकर 116 मिलियन बुशल रह गया। यह गिरावट रिपोर्ट में ट्रैक किए गए प्रमुख छोटे अनाजों में सबसे बड़ी थी और इसमें कटाई किए गए एकड़ में कमी तथा कमज़ोर उपज, दोनों का असर शामिल था।

USDA ने कहा कि किसानों ने इस वर्ष 1.60 मिलियन एकड़ में जौ की कटाई की, जो 2025 से 10% कम है। औसत उपज भी घटी और पिछले वर्ष के 72.1 बुशल प्रति एकड़ से नीचे आ गई। कम रकबा और प्रति एकड़ कम उत्पादन के संयोजन ने राष्ट्रीय उत्पादन को नीचे धकेल दिया।

जौ के आंकड़े इसलिए खास हैं क्योंकि वे ऐसे समय आए हैं जब कुल गेहूं उत्पादन लगभग स्थिर रहा और जई में केवल मामूली गिरावट आई। USDA ने कहा कि 2026 में अमेरिकी गेहूं उत्पादन कुल 1.53 बिलियन बुशल रहा, जो 31.9 मिलियन कटाई किए गए एकड़ों से आया। शीतकालीन गेहूं का हिस्सा सबसे बड़ा रहा, जिससे 20.9 मिलियन एकड़ों से 1.02 बिलियन बुशल उत्पादन हुआ और औसत उपज 48.8 बुशल प्रति एकड़ रही। किसानों ने शीतकालीन गेहूं के लिए 31.2 मिलियन एकड़ बोए थे, हालांकि उस क्षेत्र का कुछ हिस्सा काटा नहीं गया।

डचूरम को छोड़कर स्प्रिंग गेहूं का उत्पादन 9.4 मिलियन कटाई किए गए एकड़ों से 449.6 मिलियन बुशल रहा, और औसत उपज 48 बुशल प्रति एकड़ रही। डचूरम गेहूं, जिसका उपयोग मुख्य रूप से पास्ता के लिए होता है, 1.6 मिलियन एकड़ों से 64.8 मिलियन बुशल तक पहुंचा, और औसत उपज 39.7 बुशल प्रति एकड़ रही। USDA ने कहा कि मौसम की शुरुआत में किसानों ने 9.6 मिलियन एकड़ स्प्रिंग गेहूं और 1.7 मिलियन एकड़ डचूरम बोया था।

जई का उत्पादन 69.1 मिलियन बुशल रहा, जो 2025 से 1% कम है। जई के लिए कटाई किया गया क्षेत्र 3% घटकर 917,000 एकड़ रह गया, लेकिन बेहतर उपज ने उस कमी का कुछ हिस्सा भर दिया। USDA ने जई की औसत उपज 75.3 बुशल प्रति एकड़ बताई, जो पिछले वर्ष से 1.5 बुशल अधिक है।

जौ के मामले में, छोटी फसल के प्रभाव फार्म सेक्टर से आगे भी पड़ सकते हैं। जौ माल्ट बनाने का मुख्य कच्चा माल है, जो बीयर उत्पादन का एक प्रमुख घटक है। यदि घटे हुए उत्पादन का बड़ा हिस्सा पशुचारे या अन्य उपयोगों में चला जाता है, तो माल्ट जौ की आपूर्ति कड़ी हो सकती है और 2026-27 विपणन अवधि के दौरान ब्रुअरों और माल्ट निर्माताओं के लिए इनपुट लागत बढ़ सकती है। दबाव गुणवत्ता, भंडार, आयात और फसल का कितना हिस्सा माल्टिंग मानकों पर खरा उतरता है, इस पर निर्भर करेगा, लेकिन कम फसल से कीमतों के सख्त होने और उपलब्धता घटने का जोखिम बढ़ जाता है।

यह विशेष रूप से उन ब्रुअरीज के लिए मायने रखता है जो कृषि लागत में उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं और जिनके पास कच्चे माल की बढ़ी हुई लागत सम्हालने की गुंजाइश कम होती है। बड़े ब्रुअर अक्सर हेजिंग करते हैं या दीर्घकालिक आपूर्ति अनुबंधों का इस्तेमाल करते हैं, जबकि छोटे उत्पादक माल्ट कीमतों में बदलाव के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। घरेलू जौ की कम फसल का मतलब अपने-आप कमी नहीं होता, लेकिन यह ऐसे समय में खरीद योजनाओं में अनिश्चितता जोड़ सकता है जब कई पेय कंपनियां पहले से ही लागत पर करीबी नजर रख रही हैं।

USDA के आंकड़े इस मौसम में छोटे अनाजों में व्यापक विभाजन दिखाते हैं। गेहूं का कुल उत्पादन स्थिर रहा, जई में केवल मामूली गिरावट आई, और जौ में कहीं अधिक बड़ी कमी दर्ज की गई। जौ के मामले में, गिरावट दोनों मोर्चों पर आई : कम एकड़ कटाई तक पहुंचे, और जो फसल काटी गई उसकी उपज एक साल पहले की तुलना में कम रही।